IJNRD.ORG ISSN : 2456-4184
INTERNATIONAL JOURNAL OF NOVEL RESEARCH AND DEVELOPMENT (IJNRD) | IJNRD.ORG
An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

क्षेत्र के आधार पर बी0एड0 स्तर के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर पारिवारिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन

शोध निर्देशक
डॉ0 रमेन्द्र तिवारी
असिस्टेण्ट प्रोफेसर
शिक्षक–शिक्षा विभाग
नेहरू ग्राम भारती (मानित विश्वविद्यालय),
प्रयागराज (उ0प्र0)

शोधछात्र
अखिलेश कुमार यादव
(शिक्षाशास्त्र)
शिक्षक–शिक्षा विभाग
नेहरू ग्राम भारती (मानित विश्वविद्यालय),
प्रयागराज (उ0प्र0)

सारांश

समस्या कथन के अन्तर्गत क्षेत्र के आधार पर बी0एड0 स्तर के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर पारिवारिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन किया गया है। अध्ययन के उद्देश्यों में शहरी एवं ग्रामीण विद्यार्थियों को अलग–अलग प्रभाव ज्ञात किया गया है। अध्ययन में शोध विधि के लिए वर्णनात्मक अनुसंधान के अन्तर्गत सहसम्बन्धात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया है। वर्तमान अध्ययन में प्रयागराज परिक्षेत्र में स्थित विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों में संचालित शिक्षक–प्रशिक्षण कार्यक्रमों में अध्ययनरत् बी0एड0 स्तर के छात्र/छात्राओं को जनसंख्या के रूप में किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन हेतु आवश्यक प्रदत्तों को प्राप्त करने के लिए स्तरीकृत यादृच्छिक न्यादर्शन विधि का प्रयोग करके कुल 600 विद्यार्थियों का चयन न्यादर्श के रूप में किया गया। जिसमें से 300 शहरी एवं 300 ग्रामीण छात्र–छात्राओं का चयन किया गया है। डॉ. जगदीश एवं डॉ. ए.के. श्रीवास्तव द्वारा निर्मित 'मेण्टल हेल्थ इन्वेन्ट्री' तथा हरप्रीत भाटिया एवं एन.के. चढ्ढा द्वारा निर्मित ''पारिवारिक वातावरण मापनी'' का प्रयोग किया गया है। आँकड़ों के विश्लेषण हेतु एनोवा (प्रसरण विधि) तथा टी–अनुपात विधियों का प्रयोग किया गया है। आँकड़ों के विश्लेषण एवं व्याख्या के पश्चात् निम्नलिखित निष्कर्ष प्राप्त हुये– उन्नत एवं औसतन पारिवारिक वातावरण वाले शहरी एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पारिवारिक वातावरण वाले शहरी विद्यार्थियों की अपेक्षा उच्च है अर्थात् बी0एड0 स्तर के शहरी एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य के पर पारिवारिक वातावरण का प्रभाव है।

की–वर्ड– शिक्षक–प्रशिक्षण, बी0एड0, शहरी, ग्रामीण, विद्यार्थी, मानसिक स्वास्थ्य पारिवारिक वातावरण।

प्रस्तावना–

मानव एक मनोसामाजिक प्राणी है, उसका व्यवहार शारीरिक तथा मानसिक दोनों ही प्रकार के कारकों पर निर्भर करता है। इसलिए स्वास्थ्य से अभिप्राय केवल शारीरिक स्वास्थ्य से ही नहीं होता है वरन शारीरिक

तथा मानसिक दोनों ही प्रकार के स्वास्थ्य से होता है अर्थात जब शरीर तथा मन दोनों प्रभावशाली तथा समन्वित ढंग से कार्य करते हैं तब ही व्यक्ति को पूर्णरूपेण स्वस्थ्य कहा जा सकता है। मानसिक स्वास्थ्य से तात्पर्य व्यक्ति की उन मनोस्थिति से है जिसके द्वारा व्यक्ति विभिन्न परिस्थितियों में सामाजिक तथा व्यक्तिगत समायोजन करने में समर्थ होता है। यदि किसी व्यक्ति का व्यवहार अधिकांश व्यक्तियों के द्वारा किये जाने वाले औसत व्यवहार से अत्याधिक भिन्न नहीं होता तब उस व्यक्ति को समान्य व्यक्ति के साथ–साथ मानसिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति कहा जा सकता है।

शिक्षा का एक प्रमुख उद्देश्य छात्रों का सर्वागींण विकास करना है और इन सबके विकास में पारिवारिक वातावरण तथा मानसिक स्वास्थ्य का महत्त्वपूर्ण योगदान होता हैं। छात्रों में मानसिक विकास, चारित्रिक विकास, सामाजिक विकास व सांवेगिक विकास को उत्पन्न करने में अर्थात सभी का विकास करने में पारिवारिक वातावरण काफी हद तक उत्तरदायी होता हैं। शारीरिक विकास का सम्बन्ध मानसिक विकास से रहा हैं। शारीरिक विकास के साथ–साथ मानसिक व संवेगात्मक परिवर्तन भी होते हैं।

पारिवारिक वातावरण में माता–पिता एवं अभिभावकों द्वारा बच्चों के समर्थन एवं प्रोत्साहित, ध्यान देना एवं सुनना, स्नेह एवं प्यार, आराम देन, आजादी की भावनाओं का आदर करना, अवबोध, विश्वास करना, सुझाव एवं सलाह, जरूरतों को पूरा करना, खर्चो की पूर्ति, सामानों एवं जरूरत की चीजों को दिलाना, खुले विचार रखना, साथ में समय बतीत करना तथा स्कूल के कार्यों में सहयोग प्रदान करना आदि समाहित होता है। जिसका सीधा प्रभाव विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, मानसिक, सामाजिक, संवेगात्मक एवं शैक्षिक कार्यों पर तो पड़ता है साथ ही विद्यार्थियों के लक्ष्यों का भी निर्धारण करता है। पूर्व अध्ययनों में कुछ पूर्व शोधों द्वारा यह पाया गया कि पारिवारिक वातावरण, परिवार के सदस्यों एवं माता–पिता तथा अभिभावकों विद्यार्थियों के समस्त मनोवैज्ञानिक चरों पर का सीधा प्रभाव पड़ता है।

पारिवारिक वातावरण जो कि विद्यार्थी के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर विद्यार्थी के विकास में अपना सहयोग दे सकते हैं। वर्तमान परिस्थितियों में पारिवारिक वातावरण विद्यार्थियों को स्वतन्त्र रूप से कार्य करने में बाधा पहुंचाता है। समायोजन जीवन में निरन्तर चलने वाली प्रक्रिया है जिसके माध्यम से व्यक्ति अपने वातावरण के संतुलित सम्बन्ध बनाए रखने के लिए व्यवहारों में परिवर्तन करता है, इसी तरह बालक भी समायोजित होने का प्रयास करता है। परन्तु यह अवलोकन किया गया है कि वर्तमान परिस्थितियों में अधिकांश बालक अपने परिस्थितियों से समायोजन स्थापित नहीं कर पाते, जिसके परिणामस्वरूप उनमें तनाव, अवसाद, चिड़चिड़ापन, दुश्चिंता आदि व्याधियाँ उत्पन्न होने लगती है जिसका प्रभाव उनकी अधिगम क्षमता पर एक बड़ी सीमा तक पड़ता है जिससे उनके मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

पूर्व अध्ययनों से पता चलता है कि विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर पारिवारिक वातावरण का सीधा प्रभाव पड़ता है जिसमें **मैकी, रोस (2005)** द्वारा पारिवारिक अलगाव एवं निष्कर्षों पर विभिन्न साहित्य सर्वेक्षण के अध्ययन के उपरान्त पाया गया कि– पारिवारिक अलगाव से जुड़े बच्चे बुरे अनुभव लिए हुए थे और उनकी मानसिक दशा काफी रूग्ण करने वाली थी। यह भी पाया गया कि आर्थिक वजहों से अलगाव वाले परिवार के बच्चों की मनोदशा समाज में काफी दयनीय थी। अध्ययन में यह भी पाया गया कि माता–पिता के बीच संघर्ष ने बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य एवं असामाजिक मनोवृत्ति तथा समायोजन को काफी प्रभावित किया है। **सिंह, सजीव (2008) ने** शोध अध्ययन में इंगित किया कि– अच्छे पारिवारिक (स्वीकृति) सम्बन्ध किशोरों के मानसिक विकास में प्रभावी भूमिका निभाते हैं। **देब, सिबनाथ एवं अन्य (2015)** ने अध्ययन में पाया गया कि माता–पिता की नकारात्मक दृष्टिकोण से मानसिक स्वास्थ्य, चिन्ता, सामंजस्य, आत्म–अवधारणा एवं आत्म–विश्वास प्रभावित करता है। **सविता एवं अन्य (2014)** ने शोध अध्ययन में पाया गया कि जाति, पारिवारिक शैक्षिक स्तर एवं आय का किशोरों के व्यक्तित्व पर गहरा प्रभाव पड़ता है। अध्ययन में यह भी पाया गया कि भिन्न–भिन्न जाति के किशोरों में चिन्ता, आत्म–नियंत्रण, मानसिक स्वास्थ्य और परिपक्वता का स्तर अलग–अलग है इसलिए खण्डित/असंगठित परिवारों के किशोरों पर सामाजिक–आर्थिक प्रभाव को नकारा नहीं जा सकता है।

अध्ययन का उद्देश्य–

प्रस्तुत अध्ययन में निम्नलिखित उद्देश्यों का निर्माण किया गया है–

1. बी0एड0 स्तर के शहरी विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर पारिवारिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन करना।
2. बी0एड0 स्तर के ग्रामीण विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर पारिवारिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन करना।

परिकल्पनाएँ–

अध्ययन के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु निम्नलिखित शून्य परिकल्पनाओं का परीक्षण किया गया है–

1. बी0एड0 स्तर के शहरी विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर पारिवारिक वातावरण का सार्थक प्रभाव नहीं है।
2. बी0एड0 स्तर के ग्रामीण विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर पारिवारिक वातावरण का सार्थक प्रभाव नहीं है।

शोध–विधि–

अध्ययन में शोध विधि के लिए वर्णनात्मक अनुसंधान के अन्तर्गत सहसम्बन्धात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया है।

जनसंख्या–

वर्तमान अध्ययन में प्रयागराज परिक्षेत्र में स्थित विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों में संचालित शिक्षक–प्रशिक्षण कार्यक्रमों में अध्ययनरत् बी0एड0 स्तर के छात्र/छात्राओं को जनसंख्या के रूप में किया गया है।

न्यादर्श–

प्रस्तुत अध्ययन हेतु आवश्यक प्रदत्तों को प्राप्त करने के लिए स्तरीकृत यादृच्छिक न्यादर्शन विधि का प्रयोग करके कुल 600 विद्यार्थियों का चयन न्यादर्श के रूप में किया गया। जिसमें से 300 शहरी एवं 300 ग्रामीण छात्र–छात्राओं का चयन किया गया है।

प्रयुक्त शोध उपकरण–

डॉ. जगदीश एवं डॉ. ए.के. श्रीवास्तव द्वारा निर्मित 'मेण्टल हेल्थ इन्वेन्ट्री' तथा हरप्रीत भाटिया एवं एन.के. चढ्ढा द्वारा निर्मित ''पारिवारिक वातावरण मापनी'' का प्रयोग किया गया है।

प्रयुक्त सांख्यिकी विधियाँ–

आँकड़ों के विश्लेषण हेतु एनोवा (प्रसरण विधि) तथा टी–अनुपात विधियों का प्रयोग किया गया है।

आँकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या–

1. बी0एड0 स्तर के शहरी विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर पारिवारिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन–

H_{01} बी0एड0 स्तर के शहरी विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर पारिवारिक वातावरण का सार्थक प्रभाव नहीं ह।

टेबल–1

उन्नत, औसतन एवं अनुन्नत पारिवारिक वातावरण वाले बी0एड0 स्तर के शहरी विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य के मध्य प्रसरण–मान

Source	df	SS	MS	F	Table Value
Between Groups	2	6501.79	3250.89	8.59*	.01(2,297) =4.66
Within Groups	297	112426.88	378.54		
Total	299	118928.67	3629.44		

.01 पर सार्थक

उन्नत, औसतन एवं अनुन्नत पारिवारिक वातावरण वाले बी0एड0 स्तर के शहरी विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य के मध्य एफ–मान 8.59 जो .01 स्तर = 4.66 से अधिक है अर्थात् सार्थक पाया गया। परिणामतः उन्नत, औसतन एवं अनुन्नत पारिवारिक वातावरण वाले बी0एड0 स्तर के शहरी विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य के मध्य विषमता है।

टेबल–1.1

उन्नत, औसतन एवं अनुन्नत पारिवारिक वातावरण वाले बी0एड0 स्तर के शहरी विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य के मध्यमानों के बीच टी–अनुपात

S.No.	Level	N	M	S_D	D	t-value
1.	High	75	182.27	2.76	0.04	0.01
	Moderate	147	182.31			
2.	High	75	182.27	3.15	10.59	3.36*
	Low	78	171.68			
3.	Moderate	147	182.31	2.73	10.63	3.90*
	Low	78	171.68			

.01 स्तर पर सार्थक

उन्नत, औसतन एवं अनुन्नत पारिवारिक वातावरण वाले बी0एड0 स्तर के शहरी विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य के मध्यमानों के बीच टी–मान क्रमशः 0.01, 3.36 एवं 3.90 है, जिसमें उन्नत एवं अनुन्नत तथा औसतन एवं अनुन्नत पारिवारिक वातावरण वाले विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य के मध्य प्राप्त टी–मान जो .01 सार्थकता स्तर पर सार्थक है। परिणामतः उन्नत एवं औसतन पारिवारिक वातावरण वाले शहरी विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पारिवारिक वातावरण वाले शहरी विद्यार्थियों की अपेक्षा उच्च है।

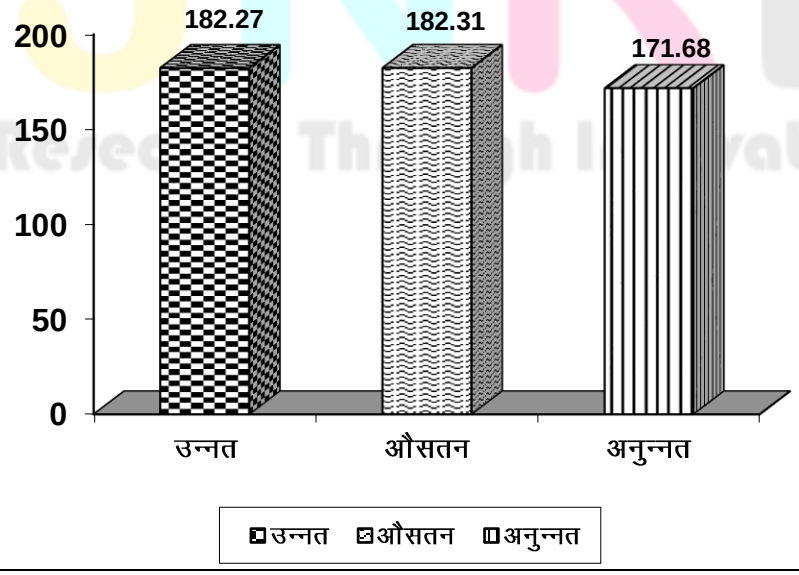

2. बी0एड0 स्तर के ग्रामीण विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर पारिवारिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन–

H_{02} बी0एड0 स्तर के ग्रामीण विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर पारिवारिक वातावरण का सार्थक प्रभाव नहीं है।

टेबल–2

उन्नत, औसतन एवं अनुन्नत पारिवारिक वातावरण वाले बी0एड0 स्तर के ग्रामीण विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य के मध्य प्रसरण–मान

Source	df	SS	MS	F	Table Value
Between Groups	2	12708.49	6354.25	15.96*	.01(2,297) =4.66
Within Groups	297	118233.70	398.09		
Total	299	130942.20	6752.34		

.01 पर सार्थक

उन्नत, औसतन एवं अनुन्नत पारिवारिक वातावरण वाले बी0एड0 स्तर के ग्रामीण विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य के मध्य एफ–मान 15.96 जो .01 स्तर = 4.66 से अधिक है अर्थात् सार्थक पाया गया। परिणामतः उन्नत, औसतन एवं अनुन्नत पारिवारिक वातावरण वाले बी0एड0 स्तर के ग्रामीण विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य के मध्य विषमता है।

टेबल–2.1

उन्नत, औसतन एवं अनुन्नत पारिवारिक वातावरण वाले बी0एड0 स्तर के ग्रामीण विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य के मध्यमानों के बीच टी–अनुपात

S.No.	Level	N	M	S_D	D	t-value
1.	High	75	179.39	2.83	11.46	4.04*
	Moderate	146	167.92			
2.	High	75	179.39	3.22	17.89	5.56*
	Low	79	161.49			
3.	Moderate	146	167.92	2.79	6.43	2.31
	Low	79	161.49			

.01 स्तर पर सार्थक

उन्नत, औसतन एवं अनुन्नत पारिवारिक वातावरण वाले बी0एड0 स्तर के ग्रामीण विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य के मध्यमानों के बीच टी–मान क्रमशः 4.04, 5.56 एवं 2.31 है, जिसमें उन्नत एवं औसतन तथा उन्नत एवं अनुन्नत पारिवारिक वातावरण वाले विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य के मध्य प्राप्त टी–मान जो .01 सार्थकता स्तर पर सार्थक है। परिणामतः उन्नत पारिवारिक वातावरण वाले ग्रामीण विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य औसतन एवं अनुन्नत पारिवारिक वातावरण वाले ग्रामीण विद्यार्थियों की अपेक्षा उच्च है।

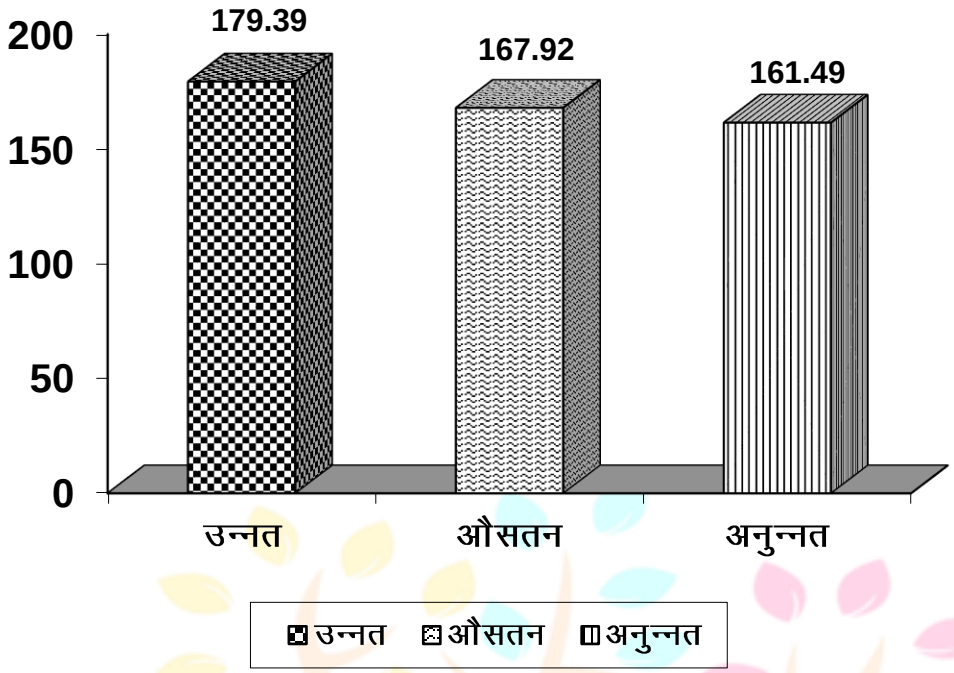

निष्कर्ष–

अध्ययनोपरान्त निम्नलिखित निष्कर्ष प्राप्त हुये–

1. उन्नत एवं औसतन पारिवारिक वातावरण वाले शहरी विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पारिवारिक वातावरण वाले शहरी विद्यार्थियों की अपेक्षा उच्च है अर्थात् बी0एड0 स्तर के शहरी विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य के पर पारिवारिक वातावरण का प्रभाव है।
2. उन्नत पारिवारिक वातावरण वाले ग्रामीण विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य औसतन एवं अनुन्नत पारिवारिक वातावरण वाले ग्रामीण विद्यार्थियों की अपेक्षा उच्च है अर्थात् बी0एड0 स्तर के ग्रामीण विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य के पर पारिवारिक वातावरण का प्रभाव है।

बी0एड0 स्तर के शहरी एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य के पर पारिवारिक वातावरण का प्रभाव पाया गया। शोधार्थी के परिणाम का समर्थन **देब, सिबनाथ एवं अन्य (2015)** ने अध्ययन में पाया गया कि परवरिश सम्बन्धी सकारात्मक देखभाल से आत्म–विश्वास का स्तर ऊँचा था एवं दबावपूर्ण परवरिश से आत्म–विश्वास काफी निराशपूर्ण एवं तनावपूर्ण था। पिता का मित्रवत् व्यवहार से संवेगात्मक सामंजस्य एवं आत्म–विश्वास ऊँचा था जबकि माता के चिड़चिड़ा व्यवहार उच्च तनाव पैदा करने वाला था। खण्डित परिवार किशोरों के तनाव, अयोग्यता, व्यक्तिगत समस्याओं एवं शैक्षिक दबाव को बढ़ा रहा था। माता–पिता की नकारात्मक दृष्टिकोण से मानसिक स्वास्थ्य, चिन्ता, सामंजस्य, आत्म– अवधारणा एवं आत्म–विश्वास प्रभावित हो रहे थे।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

- कैटरिना (2015). फादरर्स एण्ड मदर्स रोल्स एण्ड देयर पार्टिकुलरटिईस इन राइसिंग चिल्ड्रेन, एक्टा टेक्नोलॉजिका डुबनिसी, वाल्यूम–5, इश्शू–1, पृ0 45–50
- चौधरी, स्वरनाली एवं मित्रा, मंदीप (2015). पैरेन्टिंग स्टाइल एण्ड एलुस्ट्रिक बिहैवियर ऑफ एडोल्वसेन्ट्स लाइफ. जर्नल ऑफ रिसर्च इन ह्युमिनिस्टक एण्ड सोशल साइंस, वॉल्यूम–3, इश्शू–6, पृ0 20–24

- देब, सिबनाथ एवं अन्य (2015). रोल ऑफ होम इन्वायरमेन्ट, पैरेन्टल केयर, पैरेन्ट्स पर्सनालिटी एण्ड देयर रिलेशनशिप टू एडोल्वसेन्ट् मेन्टल हेल्थ. जे. साइकोल साइकोथेर, साइकोलॉजी एण्ड साइकोथेरेपी, वाल्यूम–5, इश्शू–6, पृ0 1–8
- दीपिका एवं शीला (2016). इम्पैक्ट ऑफ फैमिली इन्वायरमेन्ट ऑफ एडोल्वसेन्ट्स एग्रीसेसन्स. एडवान्स रिसर्च जर्नल ऑफ सोशल साइंस, वाल्यूम–7, इश्शू–2, पृ0 225–229
- भट्टाचार्या एवं प्रधान (2015). परसिव्ड पैरेन्टल पैरेन्टिंग स्टाइल एण्ड प्रोएक्टिव कोपिंग स्ट्रैटज्सि ऑफ इण्डियन एडोल्वसेन्ट्स. इण्टरनेशनल जर्नल ऑफ साइकोलॉजिकल स्टडीज, वाल्यूम–7, नं0 2, पृ0 180–194
- सविता एवं अन्य (2014). रोल ऑफ पर्सनल वैरियेबल इन पर्सनॉलिटी डेवेलपमेन्ट ऑफ एडोल्वसेन्ट्स फ्रॉम डिसआर्गेनाइज्ड फैमिलीस. जर्नल ऑफ एग्रिकल्चर एण्ड लाइफ साइंसेन्स, वाल्यूम–1, नं0 1, पृ0 15–20

International Research Journal
IJNRD
Research Through Innovation